नरसिंह नाम स्मरण से संतापों का नाशः स्वामी नरसिंह देवाचार्य महाराज

जबलपुर। नरसिंह मंदिर में भगवान श्री नरसिंह प्राकट्य महोत्सव के तहत त्रिदिवसीय धार्मिक आयोजन जारी है। इस अवसर पर स्वामी नरसिंह देवाचार्य महाराज ने कहा कि भगवान नरसिंह के नाम स्मरण मात्र से दैविक, भौतिक और दैहिक संतापों का नाश होता है तथा सहस्त्रनामों से आराधना करने पर सुख-समृद्धि और खुशहाली प्राप्त होती है। उन्होंने बताया कि आत्म और भौतिक भाव से भगवान को समर्पण ही सच्ची आराधना है, जिसमें पूजन, अर्चन और आरती का विशेष महत्व है। महोत्सव के अंतर्गत प्रातः 10 से 12 बजे और सायं 4 से 8 बजे तक अभिषेक, पूजन, सहस्त्रार्चन, तर्पण एवं हवन आयोजित किए जा रहे हैं। द्वितीय दिवस के कार्यक्रम में श्याम साहनी, मुन्ना पांडे, डॉ. पुष्पराज पटेल, रामचरण दास, रामजी पुजारी, लालमणि मिश्रा, एसबी मिश्रा, रेखा संतोष खम्परिया, पद्मा संजय तिवारी, विष्णु पटेल, विंध्येश भापकर, इंदुलता राजेंद्र प्यासी, लोकराम कोरी, राजेंद्र यादव, संदीप मिश्रा, जीवन कपिल, आचार्य रामफल शास्त्री एवं प्रियांशु शास्त्री सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। तृतीय दिवस प्राकट्य दिवस पर प्रातः 10 बजे से अभिषेक-पूजन व सहस्त्रार्चन तथा सायं 4 बजे से तर्पण, हवन, महाआरती एवं प्रसाद वितरण किया जाएगा।

संगीत संध्या में कल्याणजी-आनंदजी को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

जबलपुर। अंतस साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था के तत्वावधान में शहीद स्मारक प्रेक्षागृह में कल्याणजी-आनंदजी को समर्पित संगीत संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दिशा दर्शन के राजेश पाठक एवं प्रवीण उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि डॉ. अशोक तिवारी तथा विशिष्ट अतिथि राकेश पैगवार रहे। संस्था के संस्थापक डॉ. अनिल कुमार कोरी ने कलाकारों को सम्मानित किया। कार्यक्रम का संयोजन राजेश तिवारी तथा संगीत संयोजन दिनेश खड़ेतिया ने किया। संरक्षक सरोज संतोषी और निर्देशिका विनीता पैगवार का विशेष योगदान रहा। संगीत संध्या में संदीप बनोधा, सलिल तिवारी, पीडी दीक्षित, प्रमोद पाटकर, राजा बैंज, रितेश पैगवार, सुशील श्रीवास्तव, तुलसी राय, डॉ. आज्ञा मिश्रा, माया पांडे, निहारिका, वैशाली कुरवाने, खुशबू पैगवार, रामश्री कोरी, प्रो. नेहा खरे, संध्या पाटकर, शिप्रा नाथ, राधा थापा, इंजी. अरुण भटनागर और कमलकांत उपाध्याय सहित कलाकारों ने सुमधुर गीतों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मंजू गौरे ने किया। इस दौरान "हर किसी को नहीं मिलता यहां प्यार जिंदगी में", "आ जा तुझको पुकारे मेरे गीत", "हमसफर मेरे हमसफर" सहित कई लोकप्रिय गीतों ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।

21 निर्धन कन्याओं का सामूहिक विवाह 5 मई को

जबलपुर। भजन गायिका शहनाज़ अख्तर एक बार फिर अपनी समाज सेवा को लेकर चर्चा में हैं, अपनी आवाज़ से लाखों दिलों पर राज करने वाली शहनाज़ अख्तर अब 21 निर्धन और निराश्रित कन्याओं के जीवन में खुशियों का रंग भरने जा रही हैं, आगामी 5 मई को एक भव्य सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें शहनाज़ अख्तर खुद की कमाई से इन बेटियों का घर बसाएंगी, एक प्रेसवार्ता के दौरान शहनाज़ अख्तर ने बताया कि इस वर्ष 5 मई 2026 को 21 जोड़ों का निःशुल्क सामूहिक विवाह कराया जाएगा, इस आयोजन की खास बात यह है कि इसके लिए किसी से भी कोई आर्थिक सहायता या चंदा नहीं लिया गया है, शहनाज़ अख्तर का कहना है कि उन्होंने भजनों के माध्यम से जो भी धन अर्जित किया है, उसे वे अब धर्म और पीड़ित मानव की सेवा के कार्यों में लगाना चाहती हैं, इस सामूहिक विवाह के लिए जोड़ों का चयन बेहद पारदर्शी तरीके से किया गया है, इसमें उन बेटियों को प्राथमिकता दी गई है जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं, जिनके माता-पिता नहीं हैं या जो पूरी तरह से निराश्रित हैं, दस्तावेजों की बारीकी से जांच के बाद ही इन 21 जोड़ों का चयन किया गया है, जिनमें 10 जोड़े जबलपुर के और बाकी अन्य क्षेत्रों से हैं।

'एक पहल किटी' का भव्य आयोजन, वैशाखी उत्सव में झलकी सांस्कृतिक एकता

जबलपुर। 'एक पहल किटी' के तहत कृष्णा होटल में वैशाखी एवं वैशाख माह के उपलक्ष्य में रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजन का नेतृत्व वंदना आनंद, सिमरन भगवानी और प्रियंका शर्मा ने किया। कार्यक्रम में ब्राह्मण, कायस्थ, पंजाबी और सिंधी समाज की महिलाओं ने एकजुट होकर सनातन परंपरा की सुंदर मिसाल पेश की। महिलाएं आकर्षक पंजाबी वेशभूषा में सजी नजर आईं, जिससे माहौल उत्सवमय हो गया। इस अवसर पर संस्था की संस्थापक श्वेता गोंटिया का सम्मान किया गया। वंदना आनंद ने श्वेता गोंटिया और शिल्पा तिवारी के सामाजिक एकता के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में श्रद्धा तिवारी, ऋतु रावत, अंजना शर्मा, प्रज्ञा दुबे, नीति दीक्षित और नीमा शुक्ला सहित प्रतिभागियों ने पारंपरिक नृत्य व गीत-संगीत की शानदार प्रस्तुतियां दीं। अंत में श्वेता गोंटिया ने वान्या आनंद सहित सभी महिलाओं का आभार व्यक्त करते हुए ऐसे आयोजनों को सामाजिक एकता का सशक्त माध्यम बताया।

सिहोरा में जल संरक्षण व संवर्धन केबल रंग रोगन कागजों तक सीमित

परंपरागत जल स्रोतों की उपेक्षा

सिहोरा। नगर में परंपरागत जल स्रोतों की खासी उपेक्षा हो रही है। पूर्व में कुएं,तालाब और बावड़ी जैसे जल स्रोत न केवल बर्ष भर पानी उपलब्ध कराते थे बल्कि बारिश का पानी जमीन के भीतर पहुंचा कर जल संरक्षण व संवर्धन में भी मुख्य भूमिका का निर्वहन करते थे। लेकिन समय के साथ आए बदलाव ने इन जल स्रोतों को कूड़ेदान बना दिया। परिणाम स्वरूप नतीजा यह है कि जल स्तर लगातार पाताल की ओर जा रहा है और शहर हो या गांव हर तरफ जल संकट से लोग जूझ रहे हैं। दो दशक पहले तक कुएं,तालाब और बावड़ियां ही मुख्य जल स्रोत हुआ करती थीं। तालाब और कुएं लोगों को पीने और अन्य उपयोग के लिए पानी मुहैया कराते थे वहीं कुछ स्थानों पर बावड़ियां भी थी। नये बस स्टैंड के पास कई साल पहले तक एक बावड़ी का अस्तित्व था। यह बावड़ी तो सालों पहले ही लापता हो गई हैं वहीं अन्य स्थानों की बावड़ियां भी उपयोग विहीन होकर कूड़ेदान की शक्ल ले चुकी है। इसी तरह के हाल कुओं के भी हो चुके हैं। जानकारों के मुताबिक शहर में दो दर्जन से अधिक कुएं अस्तित्व में थे लेकिन अब शायद ही कोई कुआं ऐसा होगा जिसका कि उपयोग हो रहा हो। अधिकांश कुओं को तो खुद लोगों ने ही कूड़ेदान बना डाला है। लोग इनमें कूड़ा-कचरा फेंकने लगे हैं। इससे कई कुओं का तो लगभग अस्तित्व ही समाप्त हो चुका है। कुओं और बावड़ियों की उपेक्षा होने की मुख्य वजह यह है कि लोगों को नल-जल योजनाओं से जहां सीधे घर के भीतर पानी मिल रहा है वहीं घर-घर में नलकूप भी खनन हो गए हैं। यही कारण है कि व्यक्तिगत हो या सार्वजनिक कुओं की सुध किसी के भी द्वारा नहीं ली जा रही है। कुछ साल पहले तक स्थानीय निकायों द्वारा भी प्राथमिकता के साथ कुओं का गहरीकरण और साफ-सफाई करवाई जाती थी लेकिन अब तो स्थानीय निकायों की भी यह प्राथमिकता नहीं रह गए हैं।

परम्परागत तालाब गायब, कुएं कचरा घर में तब्दील

तालाबों के भी यही हाल

केवल कुएं ही नहीं बल्कि तालाबों के भी यही हाल है। एक जमाने में दो दर्जन से अधिक तालाब थे और इन तालाबों के भी बेहाल हैं। अधिकांश तालाब तो भू माफियाओं की गिद्ध दृष्टि की भेंट चढ़ गए। उंगलियों पर गिने जा सकने वाले शेष बचे तालाबों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। गंदगी से पटे इन तलाबो का न तो गहरीकरण हुआ है और न ही साफ-सफाई की गई है। इससे यह तालाब भी कचरा घर बनने के साथ साथ उथले होते जा रहे हैं और बहुत कम ही पानी का संग्रहण इनमें हो पाता है। जमीन के भीतर पानी भेजने की इनकी क्षमता भी साफ-सफाई के अभाव में कम होती जा रही है।

नहीं हो पा रही वाटर रिचार्जिंग

कुएं और तालाबों द्वारा केवल पानी ही उपलब्ध नहीं कराया जाता है बल्कि बारिश के दिनों में वर्षा जल को जमीन के भीतर पहुंचाने में भी यह मुख्य भूमिका का निर्वहन करते थे। इनकी उपेक्षा और इनके लगातार बंद होने के कारण ही अब जमीन का पानी भीतर पहुंचने के लिए कोई जरिया ही नहीं बचा है। यही कारण है कि अब जल स्तर लगातार नीचे गिरता जा रहा है। लोग भी केवल पानी उलीचने का ध्यान रखते हैं, जमीन में पानी पहुंचाने की किसी को भी जरा भी फिक्र नहीं रह पाती है।

रंग रोगन कर की कर्त्तव्यों की इति श्री

नगर की पालक संस्था ने विगत दिनों जल संवर्धन कार्यक्रम के अन्तर्गत वावली की दिवालों का रंग रोगन कर फोटो शूट कराके वाहवाही तो लूट ली जब की वावली की सतह आज भी कचरे से पटी पड़ी है।नये बस स्टैंड के समीप पड़ाव की बावली नगर का प्रमुख पारंपरिक जल स्रोत रहा है स्थानीय लोगों के अलावा पुराने जमाने में बैलगाड़ियों से यात्रा करने वाले भी यहां रुककर बावली के जल का प्रयोग करते थे लेकिन समय में आए बदलाव में परंपरागत जल स्रोत को कचरा घर में तब्दील कर दिया । नगर की पालक संस्था ने स्थानी लोगों का कहना है कि पारंपरिक जल स्रोतों का उपयोग भले ही नहीं हो लेकिन देख-रेख होना बेहद आवश्यक हैं। जमीन के भीतर बारिश का पानी पहुंचा कर वे पानी मुहैया कराने में अपनी अदृश्य लेकिन महत्वपूर्ण भूमिका निर्वहन करते रहते हैं।

चौपड़ा तालाब

नगर के प्राचीन चौपड़ा तालाब के पानी का रंग एंव उसमें पड़ीं पालीथीन,बोतल अपने संवर्धन एवं संरक्षण की कहानी स्वंय बयां कर रही है। विगत दिनों उक्त तालाव का को भी जल संवर्धन एवं संरक्षण के तहत स्वच्छ किया गया था।

जटिल सर्जरी से महिला को मिला नया जीवन, कटने से बचे दोनों पैर

जबलपुर। उखरी चौक स्थित गैलेक्सी मल्टीस्पेशिएलिटी हॉस्पिटल में चिकित्सकों ने एक जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम देते हुए 41 वर्षीय रीवा निवासी रचना यादव को नया जीवन दिया। सड़क दुर्घटना में उनके दोनों पैर बुरी तरह क्रश हो गए थे तथा हाथ की ह्यूमरस हड्डी भी टूट गई थी। कई स्थानों पर पैर काटने की सलाह मिलने के बाद गैलेक्सी हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने चरणबद्ध उपचार करते हुए पहले हड्डियों को जोड़ा और बाद में स्किन ग्राफ्टिंग की। डॉ. चतुर्वेदी, डॉ. यादव और डॉ. पटेल सहित पूरी मेडिकल टीम, नर्सिंग व ओटी स्टाफ की मेहनत से सर्जरी सफल रही। 3 से 6 माह के उपचार के बाद मरीज अब पूरी तरह स्वस्थ होकर अपने पैरों पर चलने में सक्षम है। चिकित्सकों की इस उपलब्धि की क्षेत्र में सराहना हो रही है।

शासकीय विज्ञान महाविद्यालय में जनगणना 2025 हेतु स्व-गणना प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

जबलपुर। नगर निगम के निर्देशानुसार शासकीय विज्ञान महाविद्यालय में जनगणना 2025 के अंतर्गत स्व-गणना प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्व-गणना प्रक्रिया को सरल एवं डिजिटल माध्यम से सुलभ बनाना रहा। निगमायुक्त एवं मुख्य जनगणना अधिकारी रामप्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यशाला में अपर आयुक्त मनोज श्रीवास्तव एवं नोडल अधिकारी सागर बोरकर ने प्राध्यापकों और कर्मचारियों को ऑनलाइन फॉर्म भरने का प्रशिक्षण दिया। नोडल अधिकारी सागर बोरकर ने पीपीटी और मोबाइल के माध्यम से स्टेप-बाय-स्टेप प्रक्रिया समझाई।

डूंगा मेहगांव जलाशय की सफाई कराने की मांग

बरेला। शासन एक ओर जहां किसानों के लिए हर संभव मदद पहुंचाने संकल्पित है तो वहीं दूसरी तरफ देखा जा रहा है कि लगातार कई वर्षों से किसान मांग कर रहे हैं कि डूंगा मेहगांव जलाशय की सफाई कराने हेतु किसान कई वर्षों से मांग कर रहे हैं भारत कृषक समाज के बरेला ब्लॉक संयोजक योगेश पटेल ने जिला प्रशासन से मांग करते हुए बताया कि डूंगा मेहगांव जलाशय में अधिक कपुआ (पुराव) होने के कारण पानी का भराव हर वर्ष कम होता जा रहा है जब से डूंगा मेहगांव जलाशय का निर्माण हुआ है तब से अभी तक जलाशय का सफाई कार्य नहीं किया गया भारतीय किसान यूनियन सर्व के जिला अध्यक्ष अरविंद तिवारी ने बताया कि सन 1977-78 में निर्माण कराया गया जब से आज तक कई वर्ष बीत जाने के बाद भी उगरवाया नहीं गया हर वर्ष बारिश के समय मिट्टी के कटाव के कारण कपुआ जमा हुआ है भारत के समाज के बरेला ब्लॉक संयोजक योगेश पटेल , जिला अध्यक्ष अरविंद तिवारी, अनंत राम पटेल,सुरेंद्र चौकसे, जगदेव पटेल,बलराम पटेल , कल्लू यादव सहित क्षेत्र के सैकड़ो किसानों ने जिला कलेक्टर से डूंगा मेहगांव जलाशय का सफाई कार्य कराने की मांग की ।

जीआरपी ने यात्री का छूटा बैग वापस दिलाया

जबलपुर। यात्री अंजलि चौरसिया पिता दीप चौरसिया उम्र 21 साल निवासी मस्जिद रोड खितौला थाना खितौला जबलपुर जो कि अपना बैग पीएफ नंबर 6 रेलवे स्टेशन जबलपुर में भूल गई थी जिसमें उक्त बालिका के कॉलेज के दस्तावेज एवं पूरे डॉक्यूमेंट थे, पता तलाश कर थाना बुलाकर सुपुर्द किया गया। कार्यवाही में प्र.आर. धीरेंद्र एवं म.आर. आरती, प्रियंका का योगदान रहा।

भीषण गर्मी में सावधानी जरूरी, विशेषज्ञों की अहम सलाह

जबलपुर। तेज गर्मी के मौसम में स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना जरूरी है। विशेषज्ञों के अनुसार हीट वेव के दौरान लापरवाही से हीटस्ट्रोक (लू) और डिहाइड्रेशन जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि दोपहर 12 से 4 बजे के बीच अनावश्यक रूप से बाहर न निकलें और तेज धूप, मसालेदार व अस्वच्छ भोजन से परहेज करें। शरीर में पानी की कमी न हो, इसके लिए रोजाना 8 से 12 गिलास पानी पीना चाहिए। साथ ही नींबू पानी, नारियल पानी और ताजे फलों के जूस का सेवन लाभकारी है। धूप से बचाव के लिए हल्के रंग के ढीले कपड़े पहनें, सिर को ढंककर रखें और सनग्लासेस व सनस्क्रीन का उपयोग करें। लक्षण जैसे चक्कर आना, सिरदर्द, उल्टी या शरीर का तापमान बढ़ने पर तुरंत ठंडी जगह पर ले जाकर डॉक्टर से संपर्क करें। डॉ. अजय वाधवानी ने लोगों से अपील की है कि गर्मी में विशेष सावधानी बरतें और बच्चों व बुजुर्गों का खास ध्यान रखें।

श्री नृसिंह प्रकटोत्सव पर अनेक धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन आज

सिहोरा। भगवान नृसिंह भगवान विष्णु के चौथे अवतार हैं जिन्होंने एक शक्तिशाली राक्षस हिरण्यकश्यप को मारने के लिए एक ऐसे रूप में जन्म लिया था जिसमें वह शरीर मानव का और सिर सिंह अर्थात शेर का था। जिस दिन भगवान नृसिंह ने इस अद्भुत रूप में अवतार लिया था उस दिन को नृसिंह जयंती के रूप में मनाया जाता है।नृसिंह जयंती के अवसर पर श्री नृसिंह टेकरी खितौला में धार्मिक अनुष्ठानों की धूम रहेगी प्राप्त जानकारी के अनुसार महन्त गोविन्द दास जी महाराज के सानिध्य में प्रातः 6 बजे भगवान का अभिषेक पूजन तत्पश्चात हरिनाम संकीर्तन, शाम 6 बजे भगवान की प्रकटोत्सव आरती उसके बाद प्रसाद वितरण किया जायेगा।शास्त्रों के अनुसार, भगवान नृसिंह बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक हैं। धार्मिक ग्रंथों में भगवान नृसिंह की महानता और नृसिंह जयंती के महत्व का विस्तार से वर्णन किया गया है। जो भक्त देवताओं की पूजा करते हैं और नृसिंह जयंती पर उपवास रखते हैं वे अपने शत्रुओं पर विजय प्राप्त कर सकते हैं अपने दुर्भाग्य को समाप्त कर सकते हैं और अपने जीवन से नकारात्मक शक्तियों से छुटकारा पा सकते हैं।श्री नृसिंह शिष्य मण्डल ने समस्त धर्मप्रेमियों से उपस्थिति की अपील की है।

2 वी नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा भेड़ाघाट में 1 मई को

जबलपुर। जबलपुर प्रत्येक माह की पूर्णिमा को हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट से निकाली जाने वाली 502 वी नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा बैसाख पूर्णिमा पर 1 मई शुक्रवार प्रातः 6 बजे परिक्रमा संचालक भगवान श्री हनुमान जी महाराज की सूक्ष्म उपस्थिति में पूज्य संत महात्माओं के सानिध्य में निकाली जाएगी। आश्रम के संस्थापक स्वामी रामचंद्र दास जी महाराज द्वारा बद्रीनाथ धाम से पूजित गोमती चक्र का प्रसाद स्वरूप वितरण किया जाएगा भेड़ाघाट से सैकड़ो वर्षों से निकल रही नर्मदा पंचकोसी परिक्रमा बेनगंगा पुल पंचवटी 64 योगिनी धुआंधार कल्याण तपोवन लामेटा घाट नाव पार करके शनि मंदिर डुडुवारा इमलिया न्यू भेड़ाघाट से सिद्धन माताजी आश्रम के सामने से नाव पार करके हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट में विशाल भंडारे के साथ समापन होगा। उपस्थिति की अपील नर्मदा महा आरती के संस्थापक डॉ सुधीर अग्रवाल संरक्षक श्रीमती सुषमा शंकर पटेल सह संकीर्तनाचार्य श्याम मनोहर पटेल विनोद दीवान संकीर्तनाचार्य सुरेश विश्वकर्मा आशीष पटेल बरगी वाले दुर्गा पटेल मनोज गुलाबवानी शिवकुमार पटेल पप्पू चौबे छन्नू राम पटेल विनोद विश्वकर्मा कैलाश विश्वकर्मा अपील की है।

CHANGE OF NAME

I, ARMY NO. 15754278N RANK SIGNAL MAN NAME SHAIKH AMIR SHAKIL UINT SIGNAL RECORDS resident of VADANAGE, TAL-KARVEER, DIST-KOLHAPUR 416229 STATE MAHARASHTRA (INDIA) I, have changed name of my FATHER, from SHAIKH SHAKIL MAHAMAD (name as per my ARMY SERVICE RECORDS) to SHAKIL MAHANMAD SHAIKH (name as per my FATHER, AADHAR CARD, RATION CARD AND GOVERNMENT AND SEMI GOVERNMENT DOCUMENTS) vide affidavit dated 06/03/2026 formerly before Public Notary NAGALA PARK, KOLHAPUR

CORRECT NAME
SHAKIL MAHANMAD SHAIKH
INCORRECT NAME-
SHAIKH SHAKIL MAHAMAD

CHANGE OF NAME

I, ARMY NO. 15754278N RANK SIGNAL MAN NAME SHAIKH AMIR SHAKIL UINT SIGNAL RECORDS resident of VADANAGE, TAL-KARVEER, DIST-KOLHAPUR - 416229 STATE MAHARASHTRA (INDIA) I, have changed name of my MOTHER, from AMMENA (name as per my ARMY SERVICE RECORDS) to AMINA SHAKIL SHAIKH (name as per my MOTHER, AADHAR CARD, RATION CARD AND GOVERNMENT AND SEMI GOVERNMENT DOCUMENTS) vide affidavit dated 06/03/2026 formerly before Public Notary NAGALA PARK, KOLHAPUR

CORRECT NAME
AMINA SHAKIL SHAIKH
INCORRECT NAME - AMMENA

कार्यालय संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-01, गढ़ा नगर निगम, जबलपुर
पत्रांक- सं.अधि./01/गढ़ा 2026/एम/88 (2025-26)
दिनांक-25.03.2026
भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति अलका अग्रवाल पति श्री पुरूषोत्तम अग्रवाल ने भवन/भूखण्ड/ खसरा क्र. एम आई जी द्वितीय सी-97 पिन 10004096319 वार्ड क्रं.16 वार्ड महाराणा प्रताप के पंजीकृत गृह स्वामी(कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार) श्रीमति रामकली अग्रवाल पति स्व. गोविंद दास अग्रवाल के स्थान पर क्षेत्रफल भूतल 1000 प्रथमतल 600 आरसीसी शपथ पत्र/मृत्यू प्रमाण पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नंबर पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-01 गढ़ा में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात् प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जावेगा। नामांतरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं. 01 गढ़ानगर निगम, जबलपुर

बेदखलीनामा

बावत् ऐसा कि मैं, श्रीमति शोभारानी व्यास, पति स्व. श्री शिवशंकर व्यास शिव मंदिर के पास सुभाष नगर, महाराजपुर, जबलपुर आज दिनांक को यह बेदखलीनामा निष्पादित करती हूँ कि मेरा बड़ा पुत्र रोहित व्यास उम्र लगभग - 45 वर्ष निवासी उज्जैन, मैं जबलपुर, म.प्र. में अपने छोटे पुत्र राहुल व्यास के साथ रहती हूं, मेरा बड़ा पुत्र रोहित व्यास आपराधिक गतिविधियों में लिप्त है। मेरे कई बार समझाइस देने के बावजूद भी उसमें कोई सुधार नहीं आया और लगातार व शराब पीकर आये दिन जबलपुर, म.प्र. आकर किसी न किसी से लड़ाई झगड़ा करता रहता है। उसके बर्ताव में कोई सुधार नहीं होने के "कारण मैंने अपने बड़े पुत्र रोहित व्यास से अपने सारे रिश्ते-नाते खत्म करने का निर्णय लिया है आज दिनांक से ही वह मेरा पुत्र नहीं है मैंने उससे अपने सारे रिश्ते नाते समाप्त कर उसे अपनी जमीन-जायदाद से बेदखल कर दिया है तथा आज जनता को सूचनार्थ हेतु दैनिक समाचार पर में सूचना भी प्रकाशित करवा दी है। आज दिनांक से ही मेरे बड़े पुत्र रोहित व्यास के द्वारा जो भी कार्य या कोई अपराध किया जाता है। तो उसकी जबावदारी रोहित व्यास की होगी जो भी व्यक्ति उसके साथ कोई लेनदेन करता है तो वह अपनी जबावदारी पर करें उसके द्वारा किये गये किसी कार्य के लिये मैं या मेरा छोटा पुत्र जबावदार नहीं होगा ।

दिनांक-24.04.2026

शोभारानी व्यास,
पति स्व. श्री शिवशंकर व्यास
शिव मंदिर के पास सुभाष
नगर, महाराजपुर, जबलपुर

कान्हा प्रबंधन पर सवाल, बाघों की अनदेखी के लग रहे आरोप

तीन शावकों के बाद बाघिन की भी मौत

*** पहले संक्रमण फिर भूख को बताई गई मृत्यु की वजह।**

हरिभूमि न्यूज ⏭| मण्डला

कान्हा टाइगर रिजर्व में 21 से 26 अप्रैल के बीच तीन शावकों की मौत के बाद उनकी मां बाघिन (टी-141) की भी बुधवार को मौत हो गई। मौत के कारणों के पीछे भूख से मौत की आशंका जताई थी, लेकिन बाद में वन विभाग ने फेफड़ों के संक्रमण को इसकी वजह बताया।

सरही जोन से एक वीडियो सामने आया था जिसमें एक शावक बेहद कमजोर नजर आया। वीडियो के आधार पर वन विभाग ने निगरानी बढ़ाने और बाघिन की तलाश शुरू करने की बात कही। हाथी गश्ती दल भी लगाया गया। इसके बावजूद वन विभाग हालात नहीं संभाल पाया। इसके बाद 21 अप्रैल को बड़े अमाही नाले के पास शावक का शव मिला। पोस्टमॉर्टम में उसका पेट खाली पाया गया, जिससे शुरुआती तौर पर भूख को मौत का कारण माना। हालांकि, उसी इलाके में बाघिन अपने अन्य शावकों के साथ देखी गई थी, जिससे सवाल उठे कि अगर मां आसपास थी, तो शावक भूखा क्यों रहा? और फिर 24 अप्रैल को ईंटावारे नाले में दूसरे शावक का शव सड़ी-गली अवस्था में मिला। मामले में भी बाद में भूख से मौत की बात सामने आई। लगातार दो शावकों की मौत ने बाघिन और शेष शावकों की स्थिति को लेकर चिंता बढ़ा दी थी।

इसी बीच तीसरे शावक की भी मौत 25-26 अप्रैल को हो गई। लेकिन इस बार वन विभाग ने मौत का कारण बदलते हुए फेफड़ों में संक्रमण बताया। इसके बाद विभाग ने बाघिन और एक जीवित शावक को ट्रैंकुलाइज कर मुक्की क्वारंटीन सेंटर में शिफ्ट किया और कल ट्रैंकुलाइज कर मुक्की क्वारंटीन सेंटर लाई गई बाघिन ने भी दम तोड़ दिया। मौत की वजह बीमारी थी कि भूख अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है।

वन विभाग देता रहा सफाई

वन विभाग के अधिकारियों ने पहले कहा कि शावकों को ऊपरी श्वसन तंत्र (फेफड़ों) का संक्रमण था, जिसके कारण वे खाना नहीं खा पा रहे थे। उप संचालक प्रकाश कुमार वर्मा के अनुसार, रेस्क्यू के बाद जब बाघिन और शावक को इलाज दिया गया, तो करीब 24 घंटे बाद उन्होंने खाना शुरू किया, जिससे बीमारी की पुष्टि होती है। सवाल यह है कि अगर बीमारी थी, तो उसकी पहचान समय रहते क्यों नहीं हो सकी, जबकि 17 अप्रैल को ही कमजोर शावक का वीडियो सामने आ चुका था। कान्हा टाइगर रिजर्व देश के सबसे बेहतर प्रबंधित रिजर्व में गिना जाता है। यहां प्रोजेक्ट टाइगर के तहत हर साल करीब 40 करोड़ रुपए खर्च किए जाते हैं।

इतनी व्यापक व्यवस्था के बावजूद 9 दिन में तीन शावकों और बाघिन की मौत होना, निगरानी तंत्र पर सवाल खड़े करता है।

इन बाघों के चलते सरही गेट पर पर्यटन बढ़ रहा था, स्थानीय लोगों को रोजगार मिल रहा था। शावकों की मौत से इस पर भी असर पड़ा है।

टूरिज्म से जुड़े लोगों में भी इसे लेकर चिंता है, क्योंकि शावकों की लगातार मौत से बदनामी हो रही है।

अधिकारियों का कहना है कि समय पर निगरानी के कारण ही बाघिन और एक शावक को बचाया जा सका। विभाग के अनुसार, सभी जरूरी सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारण की पुष्टि होगी।

लेकिन इन सवालों के जवाब अभी भी नहीं मिल पा रहे हैं कि 17 अप्रैल को कमजोरी का संकेत मिलने के बाद भी बचाव क्यों नहीं हो सका? पोस्टमार्टम में पेट खाली मिलने के बावजूद भूख से मौत से इनकार क्यों? हाईटेक सिस्टम के बावजूद लगातार तीन मौतें कैसे हुईं।

सांई मंदिर में चोरी: मुकुट और दानपेटी का दान ले गए

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट जिले में चोरों ने अब मंदिरों को भी निशाना बनाना शुरू कर दिया है। ग्रामीण थाना क्षेत्र के अंतर्गत नैतरा स्थित सांई मंदिर में मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात चोरी की घटना हुई। अज्ञात चोर सांई बाबा का मुकुट और दानपेटी से दान चुरा ले गए।

चोरी की इस घटना का पता बुधवार सुबह चला, जब भक्त मंदिर में पूजा करने पहुंचे। उन्होंने देखा कि मंदिर के गेट का ताला खुला था और दानपेटी गायब थी। दानपेटी बाद में मंदिर से लगभग दो किलोमीटर दूर लिंगा क्षेत्र में सड़क किनारे पड़ी मिली। इसे एक किसान ने देखा, जो खेत की ओर जा रहा था। मंदिर समिति ने इस संबंध में ग्रामीण पुलिस को शिकायत दी है। बताया जा रहा है कि चोर लगभग 60 से 70 हजार रुपये का मुकुट और दानपेटी में जमा दान चुरा ले गए हैं। पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण कर मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

मृत शिक्षक को जनगणना ड्यूटी
छतरपुर में प्रशासनिक लापरवाही उजागर

छतरपुर। जिले के बड़ामलहरा अनुभाग के घुवारा क्षेत्र से प्रशासनिक लापरवाही का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां जनगणना कार्य के लिए जारी सूची में एक ऐसे शिक्षक का नाम शामिल कर दिया गया, जिनका निधन करीब दो साल पहले ही हो चुका है। इस घटना ने विभागीय कार्यप्रणाली और रिकॉर्ड अपडेट सिस्टम की गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है।

जानकारी के अनुसार, माध्यमिक शिक्षक हरिश्चंद्र जैन का निधन 15 अप्रैल 2023 को हो गया था, लेकिन इसके बावजूद हाल ही में मकान सूचीकरण और जनगणना प्रशिक्षण के लिए जारी सूची में उनका नाम दर्ज कर उन्हें जिम्मेदारी सौंप दी गई। यह स्थिति इस बात की ओर इशारा करती है कि संबंधित विभाग के रिकॉर्ड समय पर अपडेट नहीं किए गए, जिससे इतनी बड़ी चूक सामने आई। स्थानीय स्तर पर इस मामले को लेकर लोगों में नाराजगी है और प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि जब मृत कर्मचारी का नाम तक सूची से नहीं हटाया गया, तो अन्य व्यवस्थाओं की स्थिति का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। यह मामला न केवल लापरवाही को दर्शाता है, बल्कि सिस्टम की पारदर्शिता और जवाबदेही पर भी सवाल खड़े करता है।मामले में जब जिम्मेदार अधिकारियों से प्रतिक्रिया लेने की कोशिश की गई, तो एसडीएम बड़ामलहरा अखिल राठौर और तहसीलदार आदित्य सोनकिया ने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। दोनों अधिकारियों की चुप्पी ने मामले को और गंभीर बना दिया है और यह संकेत दे रही है कि प्रशासन इस मुद्दे पर खुलकर सामने आने से बच रहा है।

बालाघाट पुलिस की कार्रवाई से रेत माफियाओं में हड़कंप

सोन नदी घाट पर पुलिस का शिकंजा
अवैध रेत उत्खनन में 13 आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज बालाघाट/लांजी।

जिले में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार तेज होता जा रहा है। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के सख्त निर्देशों के बाद जिलेभर में रेत माफियाओं पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में लांजी थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम पौसेरा के सोन नदी घाट पर दबिश देकर अवैध रेत उत्खनन और परिवहन में शामिल 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली, अवैध रेत, फावड़े और तसले भी जब्त किए हैं।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 28 अप्रैल 2026 की दरम्यानी रात सूचना प्राप्त हुई थी कि ग्राम पौसेरा स्थित सोन नदी घाट से कुछ लोग ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में अवैध रूप से रेत भरकर लांजी की ओर ले जाने की तैयारी कर रहे हैं। सूचना मिलते ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैहर आदर्शकांत शुक्ला और एसडीओपी लांजी श्री ओमप्रकाश के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की।

पुलिस टीम को देखकर ट्रैक्टर चालक और रेत भरने वाले मजदूर मौके से भागने का प्रयास करने लगे, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सभी को पकड़ लिया। जांच के दौरान एक ट्रॉली पूरी तरह रेत से भरी मिली, जबकि दो अन्य ट्रॉलियों में आंशिक रूप से रेत के साथ फावड़े और तसले पाए गए। जब चालकों से रायल्टी और वैध दस्तावेज मांगे गए तो वे कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके।

पुलिस ने युगल उर्फ राजा सातपुते, दीपक धुर्वे, अजय मलगाम, दिलीप मलगाम, राकेश आमाडारे, कमलेश चापड़े, नितिन चापड़े, देवेंद्र मसराम, दीपक आमाडारे, राधे पंद्रे, नितेश पटले, राजेश सोनवाने और रवि मडावी को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी लांजी थाना क्षेत्र के अलग-अलग गांवों के निवासी बताए गए हैं। पुलिस ने दो महिंद्रा कंपनी के लाल रंग के ट्रैक्टर और एक नीले रंग का सोनालिका ट्रैक्टर ट्रॉली सहित जब्त किया है। आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 136/2026 के तहत धारा 303(2) बीएनएस और खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 4/21 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।इस कार्रवाई में थाना प्रभारी लांजी उने दीप सिंह परमार, निरीक्षक अशोक निनामा, आरक्षक कुलाड़े, आरक्षक राहुल भारद्वाज सहित पुलिस टीम की अहम भूमिका रही।

बुढ़ी शराब दुकान हटाने विरोध,
नपाध्यक्ष ने महिलाओं से की मुलाकात

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट के बुढ़ी इलाके में शराब दुकान हटाने की मांग को लेकर महिलाओं का गुस्सा थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले करीब 15 दिनों से महिलाएं इस 50 साल पुरानी दुकान को रिहायशी इलाके से हटाने के लिए दिन-रात धरने पर बैठी हैं। बीते दिनों दुकान पर हुई हाथापाई और झड़प के बाद अब यह आंदोलन और तेज हो गया है।

बुधवार देर शाम नगर पालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर और पार्षद सरिता सोनेकर प्रदर्शन कर रही महिलाओं के बीच पहुंचीं। नपाध्यक्ष ने महिलाओं को सलाह दी कि वे कानून अपने हाथ में न लें और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखें। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा सबसे पहले है और वे पुलिस अधीक्षक से बात कर यहां पुलिस बल तैनात करने की मांग करेंगी। हालांकि, उन्होंने दुकान हटाने को लेकर कोई तय समय बताने से मना कर दिया है। वार्ड की महिलाओं का कहना है कि वे पिछले 40-50 सालों से इस परेशानी को झेल रही हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी पोस्ट हो रहा है, जिसमें महिलाएं अपनी तकलीफ बताते हुए कलेक्टर से गुहार लगा रही हैं। महिलाओं ने कलेक्टर को चुनौती भरे लहजे में न्योता दिया है कि वे सिर्फ दो घंटे अपने परिवार के साथ इस इलाके में आकर रहें, तब उन्हें असलियत पता चलेगी। महिलाओं की मांग है कि जिस तरह वार्ड नंबर 24 और 25 से शराब दुकानें हटाई गई हैं, उसी तरह इस दुकान को भी आबादी वाले क्षेत्र से दूर कहीं और शिफ्ट किया जाए। वार्ड पार्षद सरिता सोनेकर ने भी प्रशासन से अपील की है कि लोगों की भावनाओं और सुरक्षा को देखते हुए दुकान को जल्द से जल्द हटाया जाए। फिलहाल, प्रशासन की ओर से कोई ठोस फैसला न आने के कारण महिलाएं पीछे हटने को तैयार नहीं हैं।

गायत्री साहू आत्महत्या मामला: आरोपी की गिरफ्तारी की मांग तेज, डीजीपी को सौंपा ज्ञापन

लखनादौन। सिवनी जिले के धूमा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बंधा में 20 वर्षीय युवती गायत्री साहू की आत्महत्या का मामला अब राजधानी भोपाल तक पहुंच गया है। आरोपी की अब तक गिरफ्तारी न होने से नाराज अखिल भारतीय तेली महासभा (म.प्र.) के प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस मुख्यालय पहुंचकर पुलिस महानिदेशक को ज्ञापन सौंपते हुए निष्पक्ष जांच और त्वरित कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया कि मृतका गायत्री साहू ने 8 अप्रैल 2026 को जहरीला पदार्थ सेवन कर आत्महत्या का प्रयास किया था, जिसकी उपचार के दौरान जबलपुर मेडिकल कॉलेज में मृत्यु हो गई। मृतका द्वारा दिए गए मरणासन्न बयान (डाइंग डिक्लेरेशन) में आरोपी रूपेश सिरवैया पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। आरोप है कि आरोपी पिछले लगभग दो वर्षों से मृतका के साथ शारीरिक संबंध बना रहा था तथा उस पर दो बार गर्भपात कराने का दबाव भी डाला गया। परिजनों के अनुसार 6 अप्रैल 2026 को आरोपी मृतका के घर पहुंचा और उसे तथा उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी। साथ ही विवाह करने से साफ इनकार कर दिया। लगातार मानसिक प्रताड़ना, सामाजिक दबाव और धमकियों के चलते युवती ने यह आत्मघाती कदम उठाया। घटना के बाद थाना धूमा में आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है, लेकिन अब तक उसकी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। इसको लेकर समाज में आक्रोश व्याप्त है। ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपी अपने राजनीतिक प्रभाव का उपयोग कर जांच को प्रभावित करने तथा अग्रिम जमानत प्राप्त करने का प्रयास कर रहा है, जिससे पीड़ित परिवार में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। महासभा ने मांग की है कि मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, आरोपी को तत्काल गिरफ्तार किया जाए ताकि वह साक्ष्यों से छेड़छाड़ न कर सके, तथा पीड़ित परिवार को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की जाए। साथ ही प्रशासन से त्वरित और न्यायोचित कार्रवाई की अपेक्षा जताई गई है। समाज ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। अब देखना यह है कि प्रशासन इस संवेदनशील मामले में कितनी तत्परता दिखाता है और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए क्या कदम उठाता है।

बीच ट्रेक पर बिगड़ा ट्रक, आ गई मालगाड़ी

हरिभूमि न्यूज: कटनी। रीठी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम देवरी में रेलवे फाटक के पास बुधवार शाम लगभग 5 बजे उस समय हड़कंप मच गया जब रेलवे गेट बंद होने का सायरन बजने पर फाटक पार करने की जल्दी में ट्रक क्रमांक एमपी 09 HH 1791 दोनो फाटक के बीच रेलवे ट्रेक पर बंद होकर खड़ा हो गया। ट्रक चालक के बार-बार स्टार्ट करने के बाद भी ट्रक चालू नहीं हो रहा था। इसी बीच तेज रफ्तार में दमोह की ओर मालगाड़ी दौड़ती चली आ रही थी जिसे देख गेट के पास खड़े लोगो में आफरा तफरी का माहोल निर्मित हो गया। मालगाड़ी चालक ने अंदेशा को भागते हुए अपनी ट्रेन की रफ्तार को धीमा कर दिया। गेट मेन और पास खड़े लोगो की सूझबूझ से रेलवे ट्रेक पर बंद खड़े ट्रक को पीछे से दूसरे ट्रक ने धक्का मारकर रेलवे ट्रैक से बाहर किया और मालगाड़ी निकली गई। इस तरह एक बड़ा हादसा होते होते टल गया।

8 पाक्सो पीड़ितों को मिली स्पॉन्सरशिप योजना का संबल

हरिभूमि न्यूज ⏭| मण्डला

*** बाल कल्याण समिति ने 60 पाक्सो प्रकरणों में नियुक्त किया है सपोर्ट पर्सन।**

मिशन वात्सल्य अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बाल कल्याण समिति के सहयोग से सपोर्ट पर्सन के लिए हर माह प्रशिक्षण सह बैठक आयोजित किया जा रहा है। इस नवाचार के परिणाम अब आने लगे हैं। 8 पाक्सो पीड़ितों के स्पॉन्सरशिप को अनुमोदित किया गया है। स्पॉन्सरशिप योजना के अंतर्गत चार हजार रुपए प्रतिमाह दिया जाता है।

जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित प्रायोजन एवं पालक देखभाल अनुमोदन समिति (एसएफसीएसी) ने स्पांसरशिप के प्रकरण को अनुमोदित किया है। बाल कल्याण समिति के संवेदनशीलता के कारण एक पाक्सो पीड़िता के नवजात को चार दिन में ही पूरी प्रक्रिया कर शिशु गृह सह दत्तक ग्रहण अभिकरण में प्रवेशित कराया गया। पुलिस द्वारा बाल कल्याण समिति जिला मंडला के समक्ष प्रस्तुत 60 पाक्सो प्रकरणों में सपोर्ट पर्सन नियुक्त किया गया है। माह अप्रैल की समीक्षा बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग के सहायक संचालक रोहित बड़कुल ने सपोर्ट पर्सन को पीड़िता को संबल प्रदान करने के लिए संवेदनशीलता से गोपनीयता बनाए रखते हुए नियमानुसार कार्य करने का निर्देश दिया। बाल कल्याण समिति मंडला के अध्यक्ष और सदस्य तथा महिला बाल विकास विभाग के सरंक्षण अधिकारी रितेश वघेल ने सपोर्ट पर्सन को आवंटित किए गए पाक्सो प्रकरणों में सपोर्ट पर्सन के द्वारा संपादित किए गए कार्यों की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक निर्देश जारी किया।

मौत के साये में शहडोल: प्रशासन का हंटर चला

शहडोल। शहर की घनी बस्तियों और व्यस्त बाजारों में खड़े जर्जर भवन अब किसी बड़े हादसे का निमंत्रण दे रहे हैं। प्रशासन की नींद आखिरकार टूटी है और यमदूत बने इन खंडहरों पर नगर पालिका ने सर्जिकल स्ट्राइक शुरू कर दी है। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के तीखे तेवरों के बाद नगर पालिका परिषद ने शहर के अलग-अलग वार्डों में मौत का ठिकाना बने 53 जर्जर भवनों को चिन्हित कर उनके स्वामियों को अंतिम नोटिस थमा दिया है। साफ संदेश है या तो मरम्मत कराओ, या खुद ढहा दो, वरना प्रशासन का बुलडोजर चलेगा और वसूली भी आप ही से होगी। मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती आशा जितेंद्र भंडारी के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने जब शहर की गलियों को खंगाला, तो चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। कुल 53 ऐसी इमारतें मिलीं जो कभी भी ताश के पत्तों की तरह ढह सकती हैं। भारी बारिश में इन भवनों के धराशायी होने और जन-धन की भारी तबाही की आशंका को देखते हुए नगर पालिका ने कमर कस ली है। नोटिस में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर यदि भवन स्वामी ने खुद ध्वस्तीकरण या पुख्ता मरम्मत नहीं की, तो प्रशासन बिना किसी सूचना के हथौड़ा चलाएगा। नगर पालिका का रुख इस बार बेहद आक्रामक है। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि यदि नगर पालिका को इन अवैध और खतरनाक ढांचों को गिराने के लिए संसाधन झोंकने पड़े, तो उसका पूरा हर्जाना (ध्वस्तीकरण व्यय) संबंधित भवन स्वामी की संपत्ति कुर्क कर वसूला जाएगा। लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही की रूपरेखा भी तैयार कर ली गई है। सार्वजनिक सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वाले रसूखदारों को भी बख्शने के मूड में विभाग नहीं है।

साले के मासूम का अपहरण, पुलिस ने जंगल की झोपड़ी से छुड़ाया

शहडोल। पति-पत्नी के झगड़े ने एक साल के बेगुनाह मासूम को मौत के मुहाने पर लाकर खड़ा कर दिया। अपनी पत्नी को बिछड़ने का दर्द सिखाने की सनक में एक सिरफिरे जीजा ने अपने ही साले के कलेजे के टुकड़े का अपहरण कर लिया। आरोपी जीजा मासूम को लेकर रात के अंधेरे में जंगलों की ओर भाग निकला, जिससे पूरे इलाके में हडक़ंप मच गया। सनसनीखेज वारदात ब्यौहारी थाने के मैर गांव की है। आरोपी उमेश सिंह अपनी पत्नी के मायके चले जाने और वापस न लौटने से इस कदर बौखलाया कि उसने बदला लेने की खौफनाक साजिश रच डाली। सोमवार रात करीब 9 बजे उमेश अपने साले पूरन के घर पहुंचा। उसने सहजता दिखाते हुए एक साल के मासूम महेंद्र को गोद में लिया और खिलाने के बहाने घर से बाहर निकला। जब घंटों बीत जाने के बाद भी वह नहीं लौटा, तो परिजनों के हाथ-पांव फूल गए। थाना प्रभारी जिया उलहक ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए तुरंत तीन विशेष टीमों का गठन किया। पुलिस ने रातभर जंगलों और संभावित ठिकानों पर छापेमारी की। आरोपी शातिर तरीके से लोकेशन बदल रहा था, लेकिन साइबर सेल की मदद और मुखबिरों के सटीक जाल ने उसे घेर लिया। सुबह की पहली किरण के साथ ही पुलिस ने भमरहा के घने जंगल में एक लावारिस झोपड़ी को चारों तरफ से घेर लिया। पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी उमेश सिंह को दबोच लिया और उसके चंगुल से बिलखते मासूम को आजाद कराया।

बंगाल के दूसरे चरण के मतदान कई इलाकों में हुई हिंसा

केंद्रीय बलों ने किया भाजपा के इशारे पर काम : ममता

आरोप बेबुनियाद, ममता को हार का हुआ एहसास : सुवेंदु

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे व अंतिम चरण के तहत बुधवार को 142 सीटों पर मतदान भारी घमासान के बीच हुआ। कई इलाकों से हिंसा और चुनावी धांधली की खबरें आईं। भवानीपुर में सीएम ममता बनर्जी और भाजपा के सुवेंदु अधिकारी के बीच सीधा मुकाबला है, यहां भी टीएमसी व भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच भिड़ंत हुई। सीएम ममता ने जहां केंद्रीय बलों पर भाजपा के इशारे में काम करने व चुनाव में धांधली का आरोप लगाया, वहीं भाजपा ने टीएमसी पर ही धांधली का आरोप मढ़ा। बता दें, 23 अप्रैल को पहले चरण का मतदान हुआ था, मतगणना चार मई को होगी।

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को भाजपा पर राज्य विधानसभा चुनाव में 'धांधली' करने की कोशिश का आरोप लगाया और कहा कि केंद्रीय बल तथा चुनाव पर्यवेक्षक भाजपा के इशारे पर काम कर रहे हैं।' ममता ने अपने भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र के कई मतदान केंद्रों का दौरा करते हुए आरोप लगाया कि इस विधानसभा चुनाव में अधिकारियों द्वारा लोकतांत्रिक मानकों से गंभीर समझौता किया गया है। भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र ममता का राजनीतिक गढ़ माना जाता है, जहां उनकी नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी से प्रतिष्ठा की लड़ाई है। इस मुकाबले को नंदीग्राम की लड़ाई की तरह ही देखा जा रहा है, जहां 2021 में अधिकारी ने ममता को हरा दिया था। इधर भाजपा ने ममता के आरोपों को खारिज करते हुए टीएमसी पर ही भ्रम फैलाने व धांधली करने का आरोप लगाया।

ममता का आरोप

ममता ने आरोप लगाया कि पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के जवान तृणमूल कार्यकर्ता और नेताओं पर अत्याचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ता 'मरने के लिए तैयार हैं।' ममता ने कहा, 'कई पर्यवेक्षक बाहर से आए हैं और भाजपा के निर्देशों पर काम कर रहे हैं। लोगों को मतदान करना है - क्या इस तरह मतदान हो सकता है?' उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के सभी पार्टी झंडे पहले ही हटा दिए गए और बाहरी लोग मतदान प्रक्रिया में दखल दे रहे हैं। उन्होंने कहा, 'वे वार्ड नंबर 70 के पार्षद को बाहर निकलने नहीं दे रहे हैं। वे हमारे सभी कार्यकर्ताओं को पकड़ रहे हैं। अभिषेक और मैं पूरी रात जागते रहे।'

महिलाओं-बच्चों पर लाठीचार्ज

तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य सागरिका घोष ने बुधवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल चुनाव के दौरान दक्षिण 24 परगना जिले में एक मतदान केंद्र के पास केंद्रीय सुरक्षा बलों ने महिलाओं और एक बच्चे सहित नागरिकों पर लाठीचार्ज किया।

सुवेंदु का आरोप

वहीं भाजपा ने टीएमसी पर ही धांधली का आरोप मढ़ा। नेता विपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने कहा, टीएमसी के लोगों ने डर व तनाव का माहौल पैदा किया, भाजपा प्रत्याशियों पर हमले किए गए। कई बूथ से हिंसा की खबरें सामने आई हैं। इधर, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने बुधवार को कहा कि जो तृणमूल कांग्रेस 'डर और तनाव का माहौल' पैदा करने के लिए जानी जाती है उसके इस तरह के प्रयासों के बावजूद पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दोनों चरणों में लोग बड़ी संख्या में मतदान करने के लिए बाहर आए और इसमें केंद्रीय सुरक्षा बलों की मौजूदगी ने मदद की। राज्य के विभिन्न इलाकों में मौजूदा चरण के दौरान छिटपुट हिंसा की खबरों पर एक सवाल के जवाब में चौधरी ने बहरामपुर में पत्रकारों से कहा कि चुनाव से संबंधित हिंसा की घटनाएं पिछले स्थानीय निकाय चुनाव की तुलना में काफी कम हैं।

आरजी कर पीड़िता की मां का हुआ विरोध

कोलकाता। पानीहाटी सीट से भाजपा उम्मीदवार एवं आरजी कर बलात्कार-हत्या मामले की पीड़िता की मां रत्ना देवनाथ को बुधवार को उत्तर 24 परगना जिले में स्थित एक मतदान केंद्र पर जाने के दौरान तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं के विरोध का सामना करना पड़ा। देवनाथ ने यह भी आरोप लगाया कि मतदाताओं को प्रभावित करने के आरोप को लेकर कार्यकर्ताओं के साथ हुई बहस के बाद सत्तारूढ़ दल के समर्थकों ने उन्हें बूथ परिसर से बाहर निकलने से रोक दिया। पानीहाटी सीट पर उनका मुकाबला तृणमूल कांग्रेस विधायक निर्मल घोष के पुत्र तीर्थंकर घोष और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के कलातन दासगुप्ता से है।

महिलाओं से लेकर बुजुर्गों ने दिखाया जोश

वोटिंग में उमड़े आम ओ खास

कोलकाता। दूसरे चरण के तहत दक्षिण बंगाल की 142 सीटों पर मतदान हुआ है। कोलकाता, हावड़ा, नादिया, दक्षिण परगना, जैसी कई इलाकों में बड़ी संख्या में आम लोगों सहित वीआईपी ने मतदान किया। ममता बनर्जी ने अपने कालीघाट स्थित आवास से निकलकर मित्रा इंस्टीट्यूशन स्कूल में सुबह 8 बजे के करीब मतदान किया। विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने भबानीपुर के खिदिरपुर इलाके में दो मंदिरों में पूजा-अर्चना के बाद वोटिंग की। टीएमसी के डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक बनर्जी ने मित्रा इंस्टीट्यूशन में मतदान किया।

हावड़ा

पूर्बा बर्धमान

ममता बनर्जी

शयानी घोष

पूर्बा बर्धमान

हावड़ा

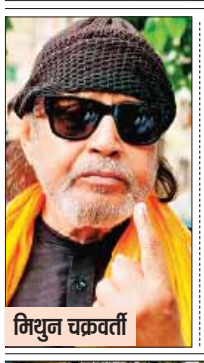
मिथुन चक्रवर्ती

चन्द्रकुमार बोस

रचना बनर्जी

कोलकाता

हुगली

खबर संक्षेप

राजीव की हत्या का दोषी पेरारिवलन बना वकील

नई दिल्ली। पूर्व पीएम राजीव गांधी की हत्या मामले का दोषी एजी पेरारिवलन (54) वकील बन गया है। 2022 में सुप्रीम कोर्ट से रिहाई के बाद उसने 27 अप्रैल को तमिलनाडु-पुडुचेरी बार काउंसिल में नामांकन कराया। पेरारिवलन 1991 में 19 साल की उम्र में गिरफ्तार हुआ और 31 साल जेल में रहा। वहीं कानून की पढ़ाई कर 2025 में ऑल इंडिया बार एग्जाम पास किया। अब वह कैदियों को कानूनी सहायता देगा। बता दें कि पेरारिवलन को 1991 में 19 साल की उम्र में गिरफ्तार किया गया था। उन पर आरोप था कि उन्होंने विस्फोटक बनाने में इस्तेमाल हुई 9 वोल्ट की बैटरी उपलब्ध कराई थी। इस मामले में वे करीब 31 साल तक जेल में रहे। 18 मई 2022 को सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत विशेष अधिकार का इस्तेमाल करते हुए उन्हें रिहा करने का आदेश दिया था।

केजरीवाल को ईडी की अर्जी पर नया नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को आप चीफ अरविंद केजरीवाल को ईडी की अर्जी पर नया नोटिस जारी किया। ईडी ने एक्साइज पॉलिसी मामले में समन जारी होने के बावजूद एजेंसी के सामने पेश न होने के लिए केजरीवाल के खिलाफ दर्ज दो अलग-अलग मामलों में उन्हें बरी किए जाने को चुनौती दी है। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने कहा कि रजिस्ट्री के अनुसार,केजरीवाल को जारी किया गया पिछला नोटिस सर्व नहीं किया गया था। जांच एजेंसी के वकील ने कहा कि केजरीवाल को 1 अप्रैल को नोटिस जारी किया गया था, लेकिन उनकी तरफ से किसी ने भी पेश होने के लिए एंट्री नहीं दी है। जज ने कहा, 'रजिस्ट्री की रिपोर्ट है कि नोटिस सर्व नहीं किया गया है। नया नोटिस जारी करेंगे।

मेरठ से प्रयागराज अब 6 घंटे में, गंगा एक्सप्रेसवे का आगाज

पीएम नरेन्द्र मोदी ने किया उद्घाटन

एजेंसी ▶▶| हरदोई/लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को हरदोई के मल्लावां में 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया। आधिकारिक बयान के अनुसार लगभग 36,230 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह एक्सप्रेसवे मेरठ और प्रयागराज के बीच यात्रा समय को मौजूदा 10–12 घंटे से घटाकर करीब छह घंटे कर देगा। बयान में कहा गया है कि गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज सहित 12 प्रमुख जिलों को जोड़ेगा। एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मां गंगा के नाम पर एक्सप्रेसवे का नाम रखना सुखद अनुभूति है। 'अब कुछ ही घंटों में आप प्रयागराज के संगम पहुंच सकते हैं और काशी में बाबा विश्वनाथ के दर्शन करके वापस आ सकते हैं। जैसे मां गंगा हजारों वर्षों से यूपी और देश की जीवनरेखा रही हैं, वैसे ही आधुनिक प्रगति के इस दौर में उनके समीप से गुजरता यह एक्सप्रेसवे यूपी के विकास की नई लाइफलाइन बनेगा।'

उद्यमियों और युवाओं को जोड़ने वाली 'जीवन रेखा' : योगी

इससे पहले, प्रधानमंत्री के हरदोई पहुंचने पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया और उन्हें स्मृति-चिह्न भेंट किया। आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि इस एक्सप्रेसवे के उद्घाटन से राज्य की विकास यात्रा को नयी गति मिलेगी। आदित्यनाथ ने छह-लेन वाले इस एक्सप्रेसवे को गांवों, किसानों, उद्यमियों और युवाओं को जोड़ने वाली 'जीवन रेखा' बताते हुए कहा कि यह विकास को गति देने और दूरियां कम करने में अहम भूमिका निभाएगा।

ईरान चुना गया परमाणु अप्रसार संधि का उपाध्यक्ष अमेरिका ने जताई आपत्ति- यह संगठन का अपमान

न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में चल रहे एनपीटी के 11वें रिव्यू कॉन्फ्रेंस में लिया गया फैसला

5 साल में एक बार होती है यह कॉन्फ्रेंस

एजेंसी ▶▶| न्यूयार्क

ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर युद्ध जैसी स्थिति बनी हुई है। इसी बीच एक दिलचस्प खबर सामने आई है। ईरान को परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) का उपाध्यक्ष चुना गया है। यह फैसला न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में चल रहे एनपीटी के 11वें रिव्यू कॉन्फ्रेंस में लिया गया। यह कॉन्फ्रेंस 5 साल में एक बार होती है। सम्मेलन के अध्यक्ष और वियतनाम के राजदूत दो हुंग वियेत ने बताया कि ईरान का नाम 'गुटनिरपेक्ष देशों के ग्रुप' की तरफ से आया था। इस ग्रुप में भारत समेत 100 से भी ज्यादा देश हैं। अमेरिका के एक अधिकारी क्रिस्टोफर येओ ने इसे एनपीटी के लिए अपमान बताया। उनका कहना है कि ईरान लंबे समय से परमाणु हथियार बनाने की कोशिश कर रहा है। ऐसे में उसे इस संगठन का अहम पद देना सही नहीं है।

हमारा जहाज जब्त करना समुद्री डकैती, एक्शन ले संयुक्त राष्ट्र

तेहरान। ईरान ने अमेरिका के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र में शिकायत की है। तेहरान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक चिट्ठी में ईरान ने अमेरिका पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। ईरान का कहना है कि अमेरिका ने उसके जहाजों को जब्त करके 'समुद्री डकैती' की है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत अमीर सईद इरावानी ने कहा कि अमेरिका ने 'मैजेस्टिक' और 'टिफनी' नाम के जहाजों को कब्जे में लिया और लगभग 38 लाख बैरल ईरानी तेल भी जब्त कर लिया। उनके मुताबिक यह कदम गैरकानूनी है और यह अंतरराष्ट्रीय व्यापार में दखल देने जैसा है। ईरान का आरोप है कि अमेरिका की यह कार्रवाई संयुक्त राष्ट्र चार्टर, अंतरराष्ट्रीय कानून और समुद्र से जुड़े कानूनों का उल्लंघन करती है। इरावानी ने यह भी कहा कि अगर ऐसे कदमों को रोका नहीं गया, तो यह एक खतरनाक उदाहरण बन सकता है, जिससे पूरी दुनिया में कानून व्यवस्था कमजोर पड़ सकती है। ईरान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) से मांग की है कि वह अमेरिका के इस कदम की निंदा करे और इस मुद्दे पर कार्रवाई करे।

अमेरिका के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र पहुंचा ईरान

अगर तनाव बढ़ा तो नए तरीके से देंगे जवाब

ईरान की नौसेना ने अमेरिका को दी हमले की चेतावनी

ईरान की इस्लामिक रिवल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी जारी की है। ईरानी सेना ने धमकी देते हुए कहा कि अगर तनाव और भी बढ़ता तो उसकी सेना नए तरीके से लड़ने के लिए तैयार है। ईरान की सरकारी मीडिया टीवी के मुताबिक, आईआरजीसी नौसेना के राजनीतिक मामलों के उपप्रमुख मोहम्मद अकबरजादेह ने कहा कि अगर अमेरिका कोई नई गलती करता है तो उसकी नौसेना के पास उसके लिए सरप्राइज टैक्टिक्स के लिए तैयार रहें। दरअसल ईरान ने हाल में दावा किया था कि उसने अपने नौसेना को ऐसे आधुनिक हथियारों से लैस किया जिसे अभी तक किसी ने नहीं देखा। मोहम्मद अकबरजादेह ने आगे कहा, 'ईरान के खिलाफ अमेरिका का कोई नई सैन्य कार्रवाई किए जाने के हालात में आईआरजीसी नेवी अपने नए टैक्टिक्स का इस्तेमाल करेगी।'ईरानी अधिकारियों ने बार-बार यह दावा किया है कि उनके नौसेना ने आसपास के जलक्षेत्र में विदेशी सैन्य उपस्थिति का मुकाबला करने के लिए अपने हार्डवेयर और रणनीतियों का आधुनिकीकरण किया है।

बड़ा बदलाव, भक्तों को मिलेगा स्वयं भोग लगाने का मौका

घर बैठे पाएं महाकाल की कृपा! अब ऑनलाइन दान शुरू

एजेंसी ▶▶| उज्जैन

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में व्यवस्थाओं के आधुनिकीकरण की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया गया है। अब मंदिर प्रशासन ने दान प्रक्रिया को ऑनलाइन कर दिया है, जिससे देश-विदेश के श्रद्धालु घर बैठे ही विभिन्न सेवाओं में सहयोग कर सकेंगे। महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की सहायक प्रशासक सिम्मी यादव ने बताया कि मंदिर का अन्नक्षेत्र पूरी तरह दान पर आधारित है। यहां प्रतिदिन दो शिफ्ट में लगभग 10,000 श्रद्धालु भोजन प्रसादी ग्रहण करते हैं। पहले अन्य क्षेत्रों में दान की प्रक्रिया ऑफलाइन होने के कारण कई श्रद्धालु इस सेवा से जुड़ नहीं पाते थे, लेकिन अब इसे ऑनलाइन कर दिया गया है। अब भक्त मंदिर की आधिकारिक वेबसाइट http:// www.shrimahakalesh-war.mp,.gov.in के माध्यम से आसानी से दान कर सकेंगे। यह नई व्यवस्था सोमवार से लागू होगी।

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में व्यवस्थाओं का आधुनिकीकरण

यह व्यवस्था थी पहले

पहले श्रद्धालुओं को अन्नक्षेत्र पहुंचकर ही दान करना पड़ता था, लेकिन अब नई ऑनलाइन व्यवस्था के तहत वे पूरे साल में किसी भी तारीख के लिए अग्रिम बुकिंग कर सकेंगे। जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ या अन्य शुभ अवसरों पर भी भोजन प्रसादी का आयोजन कराया जा सकेगा।

प्रतिदिन लगता है विशेष भोग : भगवान महाकालेश्वर को प्रतिदिन सुबह 10 बजे भोग अर्पित किया जाता है, जिसमें गेहूं की रोटी, दाल-चावल और दो प्रकार की सब्जियां शामिल होती हैं। । पहले इसके लिए भक्तों को मंदिर आकर रसीद कटवानी पड़ती थी। कई बार श्रद्धालु अपनी ओर से मिठाई भी अर्पित करते हैं, जिसे भोग में शामिल किया जाता है। भोग अर्पण के बाद ही अन्नक्षेत्र में भोजन प्रसादी का वितरण शुरू होता है।

बाबा को भोग लगाने का विशेष अवसर

इस डिजिटल पहल की सबसे बड़ी विशेषता 'भोग' से जुड़ी है। सहायक प्रशासक सिम्मी यादव ने बताया कि ऑनलाइन दान करने वाले भक्तों को बाबा महाकाल को भोग अर्पित करने का अवसर मिलेगा। दानदाता अपने परिवार के साथ मंदिर आ सकते हैं। मंदिर के कर्मचारी उन्हें बाबा महाकाल के पास लेकर जाएंगे। वहां भक्त अपने हाथों से बाबा को भोग लगा सकेंगे और इस अनूठी सुविधा का लाभ उठा सकेंगे।

दान से चलता अन्न क्षेत्र

सिम्मी ने बताया, महाकाल मंदिर का अन्न क्षेत्र पूरी तरह से दानदाताओं के सहयोग से संचालित होता है। यहां प्रतिदिन करीब 8 से 10 हजार श्रद्धालु निशुल्क भोजन प्रसादी ग्रहण करते हैं। भोजन व्यवस्था रोजाना दो अलग-अलग शिफ्ट में चलती है। सहायक प्रशासक के अनुसार, अधिक से अधिक श्रद्धालुओं को मंदिर के सेवा कार्यों से जोड़ने के उद्देश्य से यह नवाचार किया गया है। जो भक्त किन्हीं कारणों से उज्जैन नहीं आ पाते हैं, वे अब घर बैठे ही अपनी श्रद्धा व्यक्त कर सकेंगे। यह डिजिटल माध्यम उनके खास पलों को और भी यादगार बनाएगा।

श्रीलंका एयरपोर्ट की घटना

22 बौद्ध भिक्षु 110 किलो गांजा ले जाते गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

श्रीलंका के कोलंबो स्थित भंडारनायके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 22 बौद्ध भिक्षुओं को 110 किलो से ज्यादा गांजा रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने इसे एयरपोर्ट पर अब तक की सबसे बड़ी ड्रग्स जब्ती बताया है। सरकारी मीडिया के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए सभी भिक्षु थाईलैंड से लौट रहे थे। जांच के दौरान उनके सूटकेसों से पांच-पांच किलो से ज्यादा गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने बताया कि ड्रग्स को सूटकेस के अंदर खास तरीके से बनाए गए फॉल्स बॉटम में छिपाया गया था। यह कार्रवाई खुफिया सूचना मिलने के बाद की गई। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जब्त मादक पदार्थों की कीमत 34.5 लाख डॉलर यानी करीब 1.1 अरब श्रीलंकाई रुपये आंकी गई है।

यह पहला मामला

स्थानीय मीडिया का कहना है कि यह पहला मामला है, जब बौद्ध भिक्षुओं को एयरपोर्ट पर अवैध ड्रग्स के साथ पकड़ा गया है। श्रीलंका पुलिस की नारकोटिक्स ब्यूरो इस बात की जांच कर रही है कि क्या इस तस्करी का संबंध देश के भीतर सक्रिय ड्रग गिरोहों से है। सभी आरोपियों को आगे की सुनवाई और जांच के लिए नेगोम्बो मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया जाएगा।

हॉरर फिल्म तुम्बाड 2 की रिलीज डेट का ऐलान...

मुंबई। 'तुम्बाड 2' के मेकर्स ने आखिरकार इसकी रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। यह मच-अवेटेड सीक्वल 3 दिसंबर को रिलीज होगा। 'तुम्बाड' के साथ सोहम शाह ने भारतीय सिनेमा में लोक कथाओं पर आधारित हॉरर फिल्मों के लिए एक अलग जगह बनाई थी और पिछले कुछ सालों में इस फिल्म की लोकप्रियता लगातार बढ़ी है। अब 'तुम्बाड 2' के साथ मेकर्स उस दुनिया को और आगे ले जाने की तैयारी में हैं, जहां फिल्म की कहानी और स्केल को बड़ा बनाया जाएगा, लेकिन साथ ही वही माहौल बरकरार रखा जाएगा जिसने पहली फिल्म को इतना खास बनाया था।

लाइफ Style

कंगना

बॉलीवुड में पूरे किए 20 साल

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

बॉलीवुड एक्ट्रेस और पॉलिटिशियन कंगना रनौत ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने 20 साल पूरे होने पर पुराने दिनों को याद किया। उन्होंने अपने कॅरियर में कई शानदार फिल्म कर इंडस्ट्री में एक अलग पहचान बनाई हैं। इस खास मौके पर उन्होंने उस खास फोटोशूट की तस्वीर शेयर की, जिसने उनकी जिंदगी की दिशा बदल दी थी।

इसी तस्वीर के जरिए उन्हें फिल्मों में पहला मौका मिला और उनका सफर शुरू हुआ। कंगना रनौत ने इस महीने फिल्म इंडस्ट्री में अपने 20 साल पूरे कर लिए हैं। इस दौरान कंगना ने इंस्टाग्राम पर अपने पहले पोर्टफोलियो शूट की एक झलक शेयर की। ये वही तस्वीर थी, जिसने उनके करियर की शुरुआत में अहम भूमिका निभाई थी। दरअसल, इसी पोर्टफोलियो शूट के जरिए उन्हें मोहित सूरी की फिल्म 'गैंगस्टर' में डेब्यू करने का मौका मिला था, जिसने उनकी जिंदगी बदल दी। उन्होंने लिखा, 'आज मैंने फिल्म इंडस्ट्री में 20 साल पूरे कर लिए हैं। यह मेरा पहला पोर्टफोलियो है, जिसे जतिन कंपानी ने शूट किया था और इसी ने मुझे 'गैंगस्टर' में सिमरन का रोल दिलाया।' तस्वीर में कंगना रनौत ब्लू ड्रेस में स्टूडियो में खड़ी हैं और कैमरे से नजरें हटाकर पोज दे रही हैं, उनके कर्ली बाल पीछे की ओर लहराते दिख रहे हैं। वहीं, कंगना ने स्टोरी पर एक और फोटो शेयर की, जो उनके पहले मैगजीन शूट की थी. इसमे वो ब्लैक ड्रेस पहने हुए पोज दे रही हैं। बता दें, कंगना रनौत ने महज 18 साल की उम्र में गैंगस्टर से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। अपनी पहली ही फिल्म में कंगना की दमदार अदाकारी को दर्शकों और आलोचकों दोनों ने खूब सराहा था।

हॉलीवुड मसाला

छोटी सी बात बन गई बड़ी कहानी

लॉस एंजिल्स। बीते दिनों एक खबर काफी चर्चा में रही कि एक्ट्रेस एनी हैथवे ने फिल्म 'द डेविल वियर्स प्राडा 2' के सेट से पतली मॉडल को हटाने के लिए प्रोडक्शन से बात की थी। हालिया एक इंटरव्यू में एनी हैथवे ने इस पूरे मामले पर खुलकर बात की है। 'गुड मॉर्निंग अमेरिका' शो में सेट पर हुई उस घटना के बारे में एनी हैथवे से पूछा गया। जिसमें कहा गया है कि फिल्म प्रोडक्शन ने पतली मॉडल्स को सेट से हटा दिया गया था। इस पर एनी हैथवे कहती हैं, 'यह सेट पर बस एक छोटी सी बात थी, अब यह एक बहुत बड़ी कहानी बन गई है।

द डेविल वियर्स प्राडा 2 कल होगी रिलीज

लॉस एंजिल्स। साल 2006 में रिलीज ब्लॉकबस्टर हॉलीवुड फिल्म 'द डेविल वियर्स प्राडा' चर्चा में है। 20 साल बाद अब इसका सीक्वल 'द डेविल वियर्स प्राडा 2' का आ रहा है। यह फिल्म 01 मई को रिलीज हो रही है। साल 2026 में रिलीज हुई 'द डेविल वियर्स प्राडा' को भी डेविड फ्रैंकल ने ही डायरेक्ट किया था। एलीन ब्रॉश मैककेना ने ही तब भी स्क्रीनप्ले तैयार किया था। यह लॉरेन वीसबर्गर के 2003 के इसी नाम के बेस्टसेलर उपन्यास पर आधारित है। फिल्म का बेसिक प्लॉट ये है कि कहानी के केंद्र में एंडी सैक्स (ऐनी हैथवे) है, जो एक पत्रकार बनने की चाह रखने वाली लड़की है। उसे एक फैशन मैगजीन में नौकरी मिलती है, लेकिन वहां उसे अपनी सख्त एडिटर मिरांडा प्रीस्टली (मेरिल स्ट्रीप) की मर्जी से काम करना पड़ता है। साल 2006 में रिलीज 'द डेविल वर्यिर्स प्राडा' बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त रूप से सफल हुई थी।

डांस डे पर शेयर किया अनोखा वीडियो

मुंबई। शिल्पा शेट्टी अपनी अपकमिंग फिल्म 'केडी- द डेविल' को लेकर चर्चा में हैं। रिलीज से एक दिन पहले इस फिल्म को सेंसर बोर्ड से 'ए' सर्टिफिकेट के साथ मंजूरी मिल गई है। इससे पहले शिल्पा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो का कैप्शन फैंस का ध्यान खींच रहा है। 29 अप्रैल को डांस डे के मौके पर शिल्पा शेट्टी ने जो वीडियो शेयर किया है वह सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें देखा जा सकता है कि वह डांस कर रही हैं। वीडियो में एक और क्लिप है, जिसमें एक बुजुर्ग महिला डांस कर रही है। वीडियो के कैप्शन में शिल्पा शेट्टी ने उन लोगों को जवाब दिया है, जो लोग उनकी बढ़ती उम्र को लेकर टिप्पणी करते हैं। उन्होंने लिखा 'उम्र बढ़ रही है, कब तक ऐसे मटकती रहेगी।' इसके जवाब में उन्होंने लिखा 'मटकूंगी जब तक मन करेगा।

राजा शिवाजी का हिंदी वर्जन होगी छोटी

मुंबई। रितेश देशमुख अपनी आगामी फिल्म 'राजा शिवाजी' की रिलीज की तैयारी में लगे हैं। बड़े बजट में बनी राजा शिवाजी मराठी के साथ-साथ हिंदी में भी रिलीज होगी। आमतौर पर कई भाषाओं में रिलीज होने वाली फिल्मों की अवधि लगभग एक जैसी होती है, सिर्फ भाषा का अंतर होता है। लेकिन, यह फिल्म इस नियम को तोड़ती है। राजा शिवाजी का हिंदी वर्जन मराठी वर्जन से छोटा होगा। सीबीएफसी ने 'राजा शिवाजी' को 16+ आयु वर्ग के लिए सर्टिफिकेट दिया है। मराठी वर्जन की अवधि तीन घंटे, पंद्रह मिनट और पांच सेकंड है। जबकि हिंदी वर्जन इससे ठीक आठ मिनट छोटा है, यानी तीन घंटे सात मिनट और पांच सेकंड का है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि फिल्म की अवधि कम होने का कारण सीबीएफसी द्वारा अनिवार्य कोई कटौती नहीं है।

टीवी मसाला

तारक मेहता का उल्टा चश्मा में निभाए 20 से भी ज्यादा किरदार

नई दिल्ली। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' पिछले 18 साल से दर्शकों का मनोरंजन करता आ रहा है। साल 2008 में शुरू हुए असित मोदी के इस शो में अभी तक ढेरों कलाकार, ढेरों किरदारों में नजर आए और छा गए। दयाबेन से लेकर जेठालाल, बबीता जी, टप्पू सेना, पत्रकार पोपटलाल और बाबूजी जैसे मुख्य किरदारों के अलावा साइड किरदारों ने भी अपनी खूब छाप छोड़ी। आलम ये है कि 'तारक मेहता...' के कलाकारों को फैंस उनके असली नाम से नहीं, बल्कि शो में निभाए किरदारों से पहचानते हैं। लेकिन, इस शो में एक ऐसा एक्टर रहा है, जिसने इसमें 20 से अधिक किरदार निभाए और अलग ही रिकॉर्ड कायम कर दिया। यह हैं एक्टर नीलेश भट्ट। नीलेश भट्ट 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में छोटे-छोटे लेकिन 20 से अधिक किरदारों में नजर आए और छा गए। अगर उन्हें 'तारक मेहता...' का 'गिरगिट' कहा जाए, तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। वह वाकई एक 'गिरगिट' हैं, जो दिए गए हर किरदार और रंग में इस तरह घुल गए, जैसे वह उनके लिए ही लिखा गया हो। नीलेश भट्ट ने 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में जो किरदार निभाए, वो हैं- बाबू चिपके, शराबी ड्राइवर, भिड़े का रिश्तेदार, सुंदर का दोस्त, राजू भाई खाऊं गाली, कारपेंटर, खोटे क्लासेस, सोसाइटी का चोर, चंदू चिल्लर और हरियाली होटल के मैनेजर जैसे रोल शामिल हैं। हर किरदार में नीलेश भट्ट ने जान भर दी थी और दर्शकों को हंसी से लोटपोट कर दिया था। मालूम हो कि नीलेश भट्ट एक गुजराती एक्टर हैं।

50 की स्मृति का 51 साल का पोता!

नई दिल्ली। एकता कपूर का सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' टीआरपी लिस्ट में नंबर 1 पर बना हुआ है। शो की कास्टिंग में बड़ा बदलाव हुआ है और एक्टर आकाशदीप सैगल की एंट्री हुई है। हालांकि, लोगों को ये बात पसंद नहीं आई। अब एक्टर ने भी इस पर सफाई दी है।

आकाशदीप सैगल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' की दुनिया में एक नए किरदार में वापसी कर रहे हैं। तुलसी विरानी के बागी बेटे अंश का किरदार निभाने के बाद, अब वे रीबूट में अंश के बेटे, तुलसी के पोते के रूप में नजर आएंगे। यह बदलाव शो के लिए एक तरह से पूरा चक्र पूरा होने जैसा है, लेकिन कई दर्शकों को कास्टिंग पसंद नहीं आई है। लोगों का मानना है कि आकाशदीप की उम्र तुलसी का पोता बनने की नहीं है। हालांकि, आकाशदीप इसे एक क्रिएटिव कदम बताते हैं। दिलचस्प बात यह है कि शो के पहले सीजन में अंश को उसकी ऑनस्क्रीन मां तुलसी (स्मृति ईरानी) ने गोली मार दी थी।

टॉक्सिक के बाद अब 'है जवानी तो इश्क होना है' की बदली रिलीज डेट

मुंबई। आए दिन फिल्मों की रिलीज डेट में लगातार बदलाव देखने को मिल रहा है। पिछले दिनों बंदर की रिलीज डेट बदली। वहीं, यश की मच अवेटेड 'टॉक्सिक' फिर आगे बढ़ गई। अब वरुण धवन की 'है जवानी तो इश्क होना है' की रिलीज में भी एक बार फिर बदलाव किया गया है। 22 मई को रिलीज होने वाली ये फिल्म अब नए बदलाव के साथ अपनी पुरानी रिलीज डेट यानी 5 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। टॉक्सिक की रिलीज डेट में बदलाव के बाद अब मेकर्स ने 'है जवानी तो इश्क होना है' की रिलीज डेट को भी फिरसे बदल दिया है। दरअसल, 'है जवानी तो इश्क होना है' अभी तक 22 मई को रिलीज होने वाली थी, लेकिन बुधवार को जैसे ही टॉक्सिक की रिलीज डेट 4 जून से आगे बढ़ी, वैसे ही मेकर्स ने 'है जवानी तो इश्क होना है' की रिलीज को 22 मई से बदलकर 5 जून कर दिया है। जाहिर है कि 'है जवानी तो इश्क होना है' की असल रिलीज डेट भी 5 जून ही थी, लेकिन 4 जून को टॉक्सिक के

रिलीज होने के चलते, मेकर्स ने इसे पहले 22 मई को ही रिलीज करने का फैसला किया था। लेकिन, अब टॉक्सिक 4 जून को रिलीज नहीं हो रही है। इसलिए, वरुण धवन की फिल्म अपनी असल रिलीज डेट 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म की रिलीज डेट बदलने पर वरुण धवन ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की। इसमें उन्होंने फिल्म के दो नए पोस्टर भी साझा किए और साथ ही यश और मैडॉक फिल्म्स को धन्यवाद भी बोला। वरुण ने रिलीज डेट की जानकारी देते हुए लिखा, 'है जवानी तो इश्क होना है 5 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यश और मैडॉक फिल्म्स का धन्यवाद जिन्होंने हमारी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' की रिलीज डेट तय करने में मदद की। अब यह फिल्म अपनी तय तारीख पर ही रिलीज होगी।

धुरंधर 2 में दिखाए गए धमाके हैं असली

क्लाइमैक्स सीन में 500 लीटर पेट्रोल का इस्तेमाल

मुंबई। आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर 2' इस साल मार्च में रिलीज होते ही चर्चा का विषय बन गई। फिल्म के जबरदस्त एक्शन सीन और धमाकेदार सेट इसकी बड़ी खासियतें थीं। फिल्म के एसएफएक्स सुपरवाइजर विशाल त्यागी ने बताया कि फिल्म में दिखाए गए सभी धमाके असली थे। रणवीर सिंह और अर्जुन रामपाल के साथ फिलमाए गए क्लाइमैक्स सीन में 500 लीटर पेट्रोल का इस्तेमाल किया गया था। विशाल ने बताया कि उनसे अक्सर छोटे धमाके करने को कहा जाता है, जिन्हें बाद में सीजीआई की मदद से और बड़ा दिखाया जाता है। लेकिन, 'धुरंधर 2' में इस तरीके का इस्तेमाल नहीं किया गया। उन्होंने कहा, 'आदित्य धर ने कहा, 'मैं सीजीआई का इस्तेमाल नहीं करना चाहता,' खासकर धमाकों के लिए। जो आखिरी टैंकर धमाका था, वह सबसे मुश्किल था। उसमें सुरक्षा को लेकर सबसे बड़ी चिंता थी। जरा सोचिए- 500 लीटर पेट्रोल! उस धमाके से उड़ने वाले सभी टुकड़े असली थे। रणवीर धमाके वाली जगह के बहुत करीब चल रहे थे। मुझे यह पक्का करना था कि आग की लपटें उन तक न पहुंचें। हमने सारा काम पूरी सावधानी से किया और रणवीर सिंह को ठीक-ठीक बताया कि उन्हें कहां से चलना शुरू करना

है।' विशाल ने बताया 'मुझ पर प्रोडक्शन का बहुत प्रेशर था। धमाके के लिए असली ट्रेन और कंटेनरों का इस्तेमाल किया गया था। यह बहुत मुश्किल काम था, लेकिन हमें खुद पर भरोसा था। प्रोडक्शन टीम ने मुझसे 250 लीटर तेल इस्तेमाल करने को कहा था, लेकिन मैं अपनी बात पर अड़ा रहा कि कम से कम 500 लीटर तेल की जरूरत होगी। सही असर पाने के लिए, मुझे हर टैंक में 25 किलो विस्फोटक डालना पड़ा।' 'धुरंधर 2' में रणवीर सिंह एक जबरदस्त अवतार में नजर आए। इसमें उनके किरदार जसकीरत सिंह रंगी से हमजा बनने तक का सफर दिखाया गया है। फिल्म को अच्छे रिव्यू मिले हैं।

लता ने अमर बना दिया दिल एक मंदिर का गीत

वो कालजयी गीत, हसरत जयपुरी ने एक गाने में पिरोए 7 भाव

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा के स्वर्णिम दौर में कई ऐसे गीत बने, जो सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं रहे, बल्कि भावनाओं का दस्तावेज बन गए। साल 1963 में रिलीज हुई 'दिल एक मंदिर' का गीत 'हम तेरे प्यार में सारा आलम खो बैठे' भी उन्हीं कालजयी नग्मों में शामिल है। इस गीत को सुनते हुए ऐसा महसूस होता है मानो प्रेम के हर रंग को शब्दों और सुरों में ढाल दिया गया हो। गीतकार हसरत जयपुरी न इस एक गीत में सात अलग-अलग भावों से इतनी खूबसूरती से पिरोया कि यह गीत आज भी लोगों के दिलों में जिंदा है।

भावनाओं की पूरी दुनिया समेटे हुए

इस अमर गीत को अपनी मधुर आवाज लता मंगेशकर ने दी थी। उनकी आवाज की मासूमियत और दर्द ने गीत के हर शब्द को जीवंत बना दिया। यही वजह है कि यह गाना सिर्फ एक रोमांटिक ट्रैक नहीं रहा, बल्कि प्रेम और विरह की गहराइयों को महसूस कराने वाला अनुभव बन गया। हसरत जयपुरी बॉलीवुड के उन चुनिंदा शायरों में से एक थे, जिनकी पंक्तियां सीधे दिल को छू जाती थीं। यह गाना न सिर्फ संगीतमय है, बल्कि भावनाओं की एक पूरी दुनिया समेटे हुए है। इसमें शिकायत, लगाव, सदमा, अनुरोध, समर्पण, व्यथा और शुद्ध प्रेम... ये सात भाव एक के बाद एक उभरते हैं और श्रोता को पूरी तरह बांध लेते हैं।

***कौन-कौन से हैं वो 7 भाव? पहला भाव: लगाव.** 'हम तेरे प्यार में सारा आलम खो बैठे हैं' नायिका अपने पति से अपने लगाव का जिक्र करती है और बताती हैं कि कैसे वह प्यार में इतना खो गई है कि अब संसार में कुछ नजर नहीं आता।*

दूसरा भाव: शिकायत. 'तुम कहते हो के ऐसे प्यार को भूल जाओ, भूल जाओ' यहां नायिका अपने पति की बात पर शिकायत करती है कि वह कैसे इस गहरे प्यार को भूलने की बात कह सकते हैं।

तीसरा भाव: समर्पण. 'पंछी से छुड़कर उसका घर, तुम अपने घर पर ले आए, ये प्यार का पिंजरा मन भाया, हम जी ही जी में मुस्काए' जैसी लाइनें पूर्ण समर्पण दर्शाती हैं। नायिका प्यार को पिंजरा भी मानने को तैयार है, बस वह अपने प्रेमी के साथ ही रहना चाहती है।

चौथा भाव: सदमा. 'जब प्यार हुआ इस पिंजरे से, तुम कहने लगे आजाद रहो।' गाने की ये पंक्तियां सदमे की तीव्रता दिखाती हैं. जिसमें पति के प्रस्ताव से मिला गहरा सदमा पूरे गाने में झलकता है।

पांचवां भाव: अनुरोध. 'हम कैसे भुलाए प्यार तेरा, तुम अपनी जुबां से ये न कहो'. नायिका बार-बार अनुरोध करती है कि ऐसा न कहो, यह प्यार भूलने लायक नहीं है।

छठा भाव: व्यथा. 'अब इन चरणों में दम निकले, बस इतनी और तमन्ना है' जैसी पंक्ति व्यथा की पराकाष्ठा दिखाती है। गाने में छिपी वेदना और पीड़ा लता जी की आवाज में चरम पर है।

सातवां भाव: शुद्ध प्रेम. 'इस तेरे चरण की धूल से हमने, अपनी जीवन मांग भरी, जब ही तो सुहागन कहलाई, दुनिया के नजर में प्यार बनी'। एक औरत के लिए पत्नी बनने के बाद उसका पति ही सबकुछ होता है। पति से ही सुहाग प्रेम सब कुछ है। पूरे गाने का सार है शुद्ध, निश्छल और आत्मसमर्पण भरा प्रेम. जिसमें कोई स्वार्थ नहीं, सिर्फ एकनिष्ठ भक्ति है यानी शुद्ध प्रेम।

बेहद लोकप्रिय हुआ यह गाना

1963 में रिलीज होने के बाद यह गाना बेहद लोकप्रिय हुआ। आज भी जब यह गाना बजता है तो सुनने वाले की आंखें नम हो जाती हैं। यह गाना उस दौर की पतिव्रता, समर्पण और एकनिष्ठ प्रेम की भावना को दर्शाता है, जो आज के समय में भी अपनी प्रासंगिकता रखता है। आज के डिजिटल युग में भी यह गाना यूट्यूब, गाना और अन्य प्लेटफॉर्म्स पर लाखों बार सुना जा चुका है। यह साबित करता है कि सच्ची भावनाएँ और बेहतरीन शब्द कभी पुराने नहीं होते।